मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 139
सोमवार, 02 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायिक आयोग के सदस्यों ने संभल में हिंसा प्रभावित इलाकों का किया दौरा

संभल, 01 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच चल रही है। इसके लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच समिति गठित की गयी थी, जिसमें रविवार को इलाके का दौरा किया। आयोग के प्रमुख एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अरविंद कुमार जैन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद सहित शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

आयोग के तीसरे सदस्य पूर्व आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद रविवार के दौरे के दौरान मौजूद नहीं थे। अरोड़ा और जैन के साथ मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी, संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार भी थे।

संभल का दौरा पूरा होने के बाद अरविंद कुमार जैन ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जांच जारी रहेगी, यह दो महीने तक जारी रहेगी। बता दें, आयोग को दो महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

आयोग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या पिछली 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पें स्वतःस्फूर्त थीं या किसी सुनियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थीं। इसके साथ ही स्थिति को संभालने में पुलिस और प्रशासन की तैयारियों की भी जांच होगी। आयोग हिंसा के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों का भी विश्लेषण करेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों की सिफारिश करेगा।

संभल में 24 नवंबर को अदालत के आदेश पर मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी और अनेक अन्य घायल हो गए थे।

दहेज प्रथा पर प्रहार व सामाजिक समता का प्रतीक है सामूहिक विवाह कार्यक्रम : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर, 01 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक हैं तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार भी है। योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। योगी ने कहा, साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अश्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज लेने और देने को न कर

समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात वर्ष में तीन लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है।

उन्होंने संभावना जताते हुए कहा कि यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या चार लाख से अधिक हो चुकी होगी। योगी ने कहा कि गरीब बेटियों को दहेज के भेड़ियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हर जिले में हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण अनव्याही न रहे, इसके लिए ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम को अभियान रूप में चलाया जा रहा है।

अमित शेवारमानी बने श्रीनगर क्षेत्र विकास समिति का अध्यक्ष

सुरेश गांधी

वाराणसी। युवा उद्यमी, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल, वाराणसी के जिला अध्यक्ष अमित शेवारमानी को श्रीनगर क्षेत्र विकास समिति का अध्यक्ष चुना गया। सांस्कृतिक राजधानी काशी की प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक विकास समितियों में एक श्रीनगर क्षेत्र विकास समिति के संरक्षक, प्रबुद्धजनों और पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से अमित शेवारमानी को अध्यक्ष का दायित्व सौंपा। श्रीनगर क्षेत्र के लोगों ने कहा कि अमित के नेतृत्व में पूरी टीम समिति को विकास के पथ पर आगे ले जाएगी। श्रीनगर क्षेत्र विकास समिति के अध्यक्ष पद के गौरवमयी दायित्व की जिम्मेदारी दिए जाने पर अमित शेवारमानी ने समस्त पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री शेवारमानी ने कहा कि समिति के द्वारा दिये गए इस दायित्व

का पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन और पालन करूंगा। इससे पूर्व भी युवा उद्यमी व सुविधा साड़ी के अधिष्ठाता अमित शेवारमानी उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक द्वारा सम्मानित हो चुके है। इस अवसर पर श्रीनगर क्षेत्र विकास समिति के राजेंद्र गुप्ता, अजय अग्रवाल, मोतीलाल खट्टर, विजय मोदी, केके शर्मा, रतनलाल, श्याम खेमानी, पप्पू बत्रा, सुदामा केसवानी, बालचंद, रवि शंकर, डॉ गौरव गुप्ता के साथ समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आतिशी ने की बस मार्शलों की फिर से नियुक्ति की मांग, उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को लिखा पत्र

नयी दिल्ली, 01 दिसम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को पत्र लिखकर आग्रह किया कि महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजधानी की बसों में मार्शल की पुनः नियुक्ति की जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने में मार्शलों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

आतिशी ने पत्र में लिखा, जब तक मार्शल तैनात नहीं हुए थे तो बसों में यात्रा के दौरान महिलाओं को हर दिन परेशानी झेलनी पड़ती थी। कई महिलाओं को सुरक्षा का डर था और कई महिलाओं को उत्पीड़न या छेड़छाड़ का सामना करना पड़ा। बसों में 10,000 से

अधिक मार्शल की तैनाती ने इस माहौल को बदला। पत्र में दावा किया गया कि दिल्ली सरकार द्वारा तैनात मार्शल बदमाशों को पकड़ने और छेड़छाड़ तथा उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे, लेकिन 31 अक्टूबर 2023 को उन्हें अचानक हटा दिया गया और उनका वेतन रोक दिया गया। मुख्यमंत्री कहा कि यह साजिश का हिस्सा है।

आतिशी ने दिल्ली सरकार के कुछ अधिकारियों पर सुरक्षा उपायों को खोखला करने के लिए केंद्र के इशारे पर काम करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की जगह उन्हें उच्च पदों पर तैनात किया गया। मुख्यमंत्री ने मार्शलों को बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने में देरी पर अफसोस जताया और कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा मार्शलों की पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्ताव भेजे हुए दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है।

कांग्रेस लिखकर दे तो असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, 01 दिसम्बर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुआ उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा पर लगे गोमांस वितरित करने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कांग्रेस ने इस मामले को उठाया। इस सीट पर पहले लगातार पांच बार कांग्रेस को जीत मिली थी।

शर्मा ने शनिवार को यहां भाजपा की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, सामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से

हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार है। पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था। सांसद की कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न?

उन्होंने कहा है कि मतदाताओं को गोमांस परोसकर कांग्रेस-भाजपा का चुनाव जीतना गलत है। शर्मा ने सवाल किया, मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है? शर्मा ने कहा, मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि यह गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को गोमांस के बारे में बोलना चाहिए, बल्कि असम में इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हुसैन के बयान की पृष्ठभूमि में गोमांस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का रुख जानने के लिए उन्हें पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, मैं भूपेन बोरा को पत्र लिखकर पूछूंगा कि क्या वह भी रकीबुल हुसैन की तरह गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे बता दें। मैं गोमांस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दूंगा। शर्मा ने कहा, मुझे खुशी है कि रकीबुल हुसैन ने यह बयान दिया है, क्योंकि कम से कम एक कदम तो उठाया गया है। अब दूसरा कदम भूपेन बोरा को उठाना चाहिए।

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

-ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत ह्वसुधैव कुटुम्बकमह्व की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है।

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत

समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है। आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान् कर्मयोद्धा कर रहा है। दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है।

वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है। हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

क्यों बढ़ रही है देश में वर्ष दर वर्ष आत्म हत्याओं की घटनाएं?

अशोक भाटिया

हाल ही में राजधानी दिल्ली में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे एक छात्र ने आत्महत्या कर ली. 30 साल के अमित कुमार मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे थे । अमित कुमार ने हॉस्टल के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली । एक रपट में कहा गया है कि हमारी शिक्षा प्रणाली में अंकों पर जोर दिया जाता है। इसमें माता-पिता का दबाव, स्वयं तथा शैक्षणिक संस्थाओं से की जाने वाली अपेक्षाएं अंततः आत्महत्या का कारण बनती हैं। भारत के उन्नीस राज्यों में विश्लेषण से पता चला कि करीब बीस फीसद कालेज छात्र इंटरनेट के आदी हैं, जिनमें से एक तिहाई युवा साइबर ठगी का शिकार होते हैं और उसमें से एक तिहाई आत्महत्या कर लेते हैं। राजस्थान के कोटा शहर में तो छात्रों की आत्महत्या की लगातार बढ़ती घटनाओं से हर कोई आहत है, जहां नीट, जेईई तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए आने वाले छात्र निरंतर जान देते रहे हैं। ऐसी घटनाओं को रोकना सरकार और प्रशासन दोनों के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। हाल ही में 28 अगस्त, 2024 को एनसीआरबी के आंकड़ों के आधार पर ह्यछात्र आत्महत्याएं: भारत में फैली महामारीह्व नामक रपट जारी की गई, जिसमें चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। इस रपट के अनुसार किशोरों में आत्महत्या का कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं (54 फीसद), नकारात्मक पारिवारिक मुद्दे (36 फीसद), शैक्षणिक तनाव (23 फीसद), सामाजिक और जीवनशैली कारक (20 फीसद), हिंसा (22 फीसद), आर्थिक संकट (9.1 फीसद) और भावनात्मक संबंध (9 फीसद) हैं। शारीरिक और यौन शोषण, कम उम्र में विवाह, कम उम्र में मां बनना, घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव आदि कई ऐसे कारण हैं, जिनके चलते युवा लड़कियां आत्महत्या कर लेती हैं।

इंटरनेट पर जब ढूंढेंगे तो छात्रों की आत्महत्या के ढेरों मामले मिल जाएंगे. लेकिन छात्रों की आत्महत्या को लेकर अब जो नया खुलासा हुआ है, वो वाकई चौंकाने वाला है.एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में आबादी इतनी तेजी से नहीं बढ़ रही, जितनी तेजी से छात्रों की आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं. इससे पता चलता है कि भारत में छात्रों में सुसाइडल टेंडेंसी तेजी से बढ़ रही है।

दरअसल हमारे देश ही नहीं, पूरी दुनिया में अकेलेपन, अवसाद और आत?महत?या के मामले बढ़ रहे हैं। बल्कि यूं कहना ठीक होगा कि आत?महत?या एक महामारी का रूप धरती जा रही है। लोग कई वजहों से आत?महत?या करते हैं, ऐसे में अगर उन?हें समय रहते पेशेवर सहायता मिल जाए, दोस?त-परिवार वाले उनकी मदद करें तो हम आत?महत?या के मामलों को कम कर सकते हैं। पिछले साल दुनियाभर में आठ लाख लोगों ने आत?महत?या की और हमारे देश में 1,64,033 ने आत्महत्या कर-के अपनी जान गंवाई।

समाज विज्ञान के जानकारों के अनुसार बढ़ती महंगाई तथा आम आदमी की लगातार घटती कमाई आत्महत्या के मामले बढ़ने का प्रमुख कारण है। दरअसल कमाई कम होने या रोजगार नहीं होने के कारण लोगों में तनाव बहुत बढ़ गया है, जिससे बहुत से मामलों में पारिवारिक क्लेश पैदा होता है और परिणामस्वरूप आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। वर्ष 2016 में जहां आत्महत्या के कुल 1064033 मामले दर्ज हुए थे और 2017 में 1.29 लाख लोगों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2017 से 2021 तक ये मामले 26 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 1.64 लाख से भी ज्यादा हो गए।

गैर-लाभकारी संस्था क्ष3 की एक नई रिपोर्ट ने भारत में छात्र आत्महत्याओं में खतरनाक वृद्धि पर प्रकाश डाला है, जिसमें खुलासा हुआ है कि महाराष्ट्र ऐसी घटनाओं की सबसे अधिक संख्या वाला राज्य बनकर उभरा है। रिपोर्ट, जिसमें 2021 और 2022 के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, में पाया गया कि इस अवधि के दौरान छात्र आत्महत्याओं की कुल संख्या में थोड़ी कमी आई थी , लेकिन पिछले दो वर्षों में इन दुखद घटनाओं की दर में लगातार वृद्धि हुई है। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश आत्महत्या के मामलों में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पूरे भारत में ऐसे 1,64,033 मामले दर्ज किए गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार ये आंकड़े सामने आए हैं। पेशे या करियर से संबंधित समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत और वित्तीय नुकसान देश में आत्महत्या की घटनाओं के मुख्य कारण हैं। आत्महत्या करने वालों में करीब 64 फीसदी यानी 1.05 लाख लोग ऐसे हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम थी।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक बीते वर्ष देश में कुल 164033 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 118979 पुरुष, 45026 महिलाएं और 28 ट्रांसजेंडर थे। आत्महत्या करने वाली आधी से भी ज्यादा 23178 गृहिणियां थी जबकि 5693 छात्राओं और 4246 दैनिक वेतनभोगी महिलाओं ने आत्महत्या की। गृहिणियों द्वारा आत्महत्या के सर्वाधिक मामले तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में क्रमशः 3221, 3055, 2861 दर्ज किए गए, जो गृहिणियों द्वारा की गई आत्महत्या के मामलों का क्रमशः 13.9, 13.2 और 12.3 फीसदी है। आत्महत्या के मामलों में महिला पीड़ितों का अनुपात दहेज जैसे विवाह संबंधी मुद्दों, नपुंसकता और बांझपन में अधिक देखा गया। पेशेवर समूहों में स्वरोजगार करने वालों में भी आत्महत्या के मामले करीब 16.73 फीसदी बढ़े हैं। देश में 2020 में आत्महत्या के कुल 153052 मामले दर्ज हुए थे और 2021 में आत्महत्या की दर में 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 33.2 फीसदी लोगों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण जबकि 18.6 फीसदी ने बीमारी के कारण मौत को गले लगाया। आत्महत्या के अन्य मुख्य कारणों में 6.4 फीसदी मादक पदार्थों का सेवन और शराब की लत, 4.8 फीसदी विवाह संबंधी मुद्दे, 4.6 फीसदी प्रेम प्रसंग, 3.9 फीसदी दिवालियापन या कर्ज, 2.2 फीसदी बेरोजगारी, 1.6 फीसदी पेशेवर कैरियर की समस्या, 1.1 फीसदी गरीबी और 1 फीसदी परीक्षा में असफलता शामिल रहे।

आत्महत्या करने वालों में 18-30 वर्ष से कम आयु वर्ग के 34.5 फीसदी और 30-45 वर्ष से कम आयु के 31.7 फीसदी लोग शामिल हैं जबकि 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में 3233 आत्महत्याएं पारिवारिक समस्याओं के कारण, 1495 प्रेम संबंध और 1408 बीमारी के कारण हुई। एनसीआरबी के मुताबिक महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक केवल इन पांच राज्यों में ही देशभर में आत्महत्या के कुल मामलों में से 50.4 फीसदी मामले दर्ज हुए जबकि 49.6 फीसदी मामले 23 अन्य राज्यों और 8 केन्द्रशासित प्रदेशों में सामने आए। पिछले एक साल में उपरोक्त पांच राज्यों में क्रमशः 22207, 18925, 14965, 13500, 13056 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल मामलों का क्रमशः 13.5, 11.5, 9.1, 8.2 और 8 फीसदी है। प्रति एक लाख की आबादी पर आत्महत्या के मामलों की राष्ट्रीय दर हालांकि 12 रही लेकिन कुछ राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में स्थिति बेहद चिंताजनक है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में यह दर 39.7, सिक्किम में 39.2, पुडुचेरी में 31.8, तेलंगाना 26.9 और केरल में 26.9 दर्ज की गई।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में दिहाड़ी मजदूरों और कृषि श्रमिकों की आत्महत्या के मामले भी मन को विचलित करने वाले हैं। रिपोर्ट में यह चिंताजनक खुलासा हुआ है कि देशभर में आत्महत्या करने वालों में सबसे ज्यादा 25 फीसदी लोग दिहाड़ी मजदूर ही थे। 2020 में जहां कुल 33164 दिहाड़ी मजदूरों ने जीवन की परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का रास्ता चुना, वहीं 2021 में कुल 42004 दिहाड़ी मजदूरों ने खुदकुशी की। कृषि क्षेत्र से संबद्ध कुल 10881 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल मामलों का 6.6 फीसदी है। इनमें 2019 में 5957 और 2020 में 5579 किसानों की आत्महत्या के मुकाबले यह आंकड़ा 2021 में कम होकर 5318 दर्ज हुआ लेकिन कृषि श्रमिकों में आत्महत्या की दर लगातार बढ़ रही है। 2021 में कुल 5563 कृषि श्रमिकों ने आत्महत्या की और उनकी आत्महत्या की दर 2020 के मुकाबले 9 फीसदी और 2019 के मुकाबले 29 प्रतिशत अधिक रही। बीते वर्ष के दौरान हर दो घंटे में कम से कम एक कृषि श्रमिक ने मौत को गले लगाया।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसान वह है, जिनका व्यवसाय कृषि है और जो अपनी जमीन पर खेती करते हैं या पट्टे की जमीन पर बिना कृषि मजदूरों की मदद के खेती करते हैं जबकि कृषि श्रमिक वे हैं, जो मुख्यतः कृषि क्षेत्र में काम करते हैं और उनकी आय का स्रोत कृषि मजदूरी है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि विगत दो वर्षों के दौरान जब कई आर्थिक गतिविधियां बंद हो गई और शहरों से गांवों की ओर पलायन हुआ, तब कई दिहाड़ी मजदूरों ने कृषि श्रमिक के रूप में भी काम किया क्योंकि उनके आय के अन्य स्रोत बंद थे।

सर्वाधिक चिंता देश के युवा वर्ग और 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर होती है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि वर्तमान में भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर मानसिक तनाव में रहते हैं और तनाव की वजह से ही आत्महत्या करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। कोई पारिवारिक कलह को लेकर तो कोई व्यवसाय को लेकर तनाव में है और ऐसी स्थिति में लोग अपनी बेशकीमती जिंदगी को ही दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल ऐसे व्यक्ति के परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए खतरनाक है।

हालांकि माना जाता रहा है कि आत्महत्याओं को रोकना सरकार का काम नहीं है बल्कि इसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी समाज और परिवार की है लेकिन आत्महत्या के बीते वर्ष के आंकड़े समाज के साथ-साथ सरकार के समक्ष भी गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। दरअसल देशभर में लोग यदि इतनी बड़ी संख्या में मौत को गले लगाने को विवश हो रहे हैं तो यह मानने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि इसके लिए कहीं न कहीं हमारा समाज और सरकारों की नीतियां भी जिम्मेदार हैं। भले ही सरकारों द्वारा रोजगार को लेकर हालात बेहतर होने के दावे किए जा रहे हैं लेकिन वास्तविकता यही है कि महंगाई और बेरोजगारी ने गरीब और मध्यवर्ग की कमर तोड़ कर रख दी है। गरीब व्यक्ति के पास खाने को कुछ नहीं होगा, उसके पास रोजगार का कोई साधन नहीं होगा या वह भारी-भरकम कर्ज में बोझ तले दबा होगा तो न चाहते हुए भी अवसाद का शिकार होकर वह आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर होगा।

देश में आत्महत्या के मामलों का ग्राफ साल दर साल ऊपर क्यों जा रहा है, इसे लेकर न केवल सरकारों को बल्कि समाज को भी गंभीरता से विचार करना होगा और इसके कारणों के निदान के प्रयास भी करने होंगे, तभी आत्महत्या के मामलों में कमी की अपेक्षा संभव है।

एमपी उपचुनाव का परिणाम और मोहन सरकार का कामकाज

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

एमपी की मोहन यादव सरकार को 13 दिसंबर को सालभर पूर्ण हो जाएगा। बीते वर्ष की इसी तारीख को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने एमपी में उज्जैन के विधायक मोहन यादव को प्रदेश के मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा था। अब जबकि मोहन यादव की सरकार को सालभर हुआ जाता है। यह जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की सरकार कैसा काम कर रही है। इस लिहाज से प्रदेश की भाजपा सरकार के कामकाज की समीक्षा होना चाहिए। यह समीक्षा खुद सरकार ने भी कराना चाहिए और केंद्रीय नेतृत्व ने भी कराना चाहिए, ताकि प्रदेश की जनता का हाल क्या है, यह जाना जा सके। वैसे किसी भी राज्य सरकार के कामकाज की समीक्षा का कोई निश्चित और निर्धारित पैमाना नहीं है। राजनीति के लिहाज से तो सरकार के कामकाज की समीक्षा करना बहुत ही कठिन है, याने आप सत्ताधारी दल में है तो आपको आपकी सरकार के हर कार्य की तारीफ करना ही है। फिर चाहे उस कार्य या योजना से जनता को लाभ मिल रहा है या नहीं, इसके उलट आप विपक्षी दल है तो आपको आलोचनाओं का सहारा लेना होता है। सरकार के अच्छे कार्यों को जो जनता के लिए लाभकारी है, या प्रदेश की खुशहाली और बेहतरी में सहायक है तब भी आलोचना ही करना पड़ती है। आजकल राजनीति के कारखाने में ऐसे नेताओं का निर्माण बंद हो गया जो अपनी ही सरकार की आलोचना कर दे या जो विपक्ष में रहते हुए भी सरकार के कामकाज की तारीफ कर सके। कुलमिलाकर राज्य सरकारों के कामकाज की समीक्षा का हाल टीवी पर चलती पार्टी प्रवक्ताओं की अंतहीन और बेनतीजा बहस की तरह ही दिखाई पड़ता है। सही मायने में सरकार के कामकाज की असली समीक्षक राज्य की जनता ही होती है। जनता जो चुनाव के माध्यम से अपने मताधिकार की ताकत से राज्य सरकार के कामकाज पर अपनी मोहर लगाती है। महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति की प्रचंड विजयी राज्य की सत्ताधारी सरकार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कामकाज पर जनता की मोहर है। झारखंड राज्य में हेमंत सोरेन की वापसी राज्य की जनता का मुख्यमंत्री के कामकाज को आशीर्वाद प्रदान करना ही माना जाएगा। सरकार के कामकाज की असली समीक्षक प्रदेश की जनता है। इस लिहाज से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के कामकाज की समीक्षा को एमपी के दो विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचनाव के परिणामों से जोड़कर देखा जा रहा है। वैसे इतने बड़े प्रदेश में जहां 230 विधानसभा की सीटें हो महज दो विधानसभाओं के नतीजे को सरकार के मूल्यांकन का आधार बनाना न्यायसंगत तो नहीं माना जा सकता है, किन्तु एक नजरिया तो पेश किया ही जा सकता है। मध्यप्रदेश में दो विधानसभा में उपचुनाव हुआ एक बुधनी जो प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, वर्तमान में केंदीय कृषि मंत्री, राष्ट्रीय राजनीति में मध्यप्रदेश का प्रमुख चेहरा शिवराजसिंह चौहान के सांसद बन जाने से खाली हुई। दूसरी रामनिवास रावत के कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने से रिक्त हुई विजयपुर विधानसभा जिन्हें भाजपा में शामिल होने पर सरकार में वन मंत्री बनाया गया। इन दो सीटों पर हुआ चुनाव भाजपा की प्रदेश सरकार के कामकाज पर जनता की मोहर है। पहले बुधनी की बात कर लेते है। यह विधानसभा भाजपा का गढ़ कही जाती है। अब तक 17 चुनावों में 11 बार भाजपा तो मात्र 6 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। 13 नवंबर 2024 को हुए उपचुनाव में यहां भाजपा के रमाकांत भार्गव और कांग्रेस के राजकुमार पटेल के मध्य मुकाबले में भाजपा ने इस सीट पर 13848 मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। यह अंतर विधानसभा चुनाव 2023 के मुकाबले काफी कम है। बुधनी से शिवराज चौहान ने एक लाख से अधिक मतों से विजय दर्ज की थी। उसके मुकाबले यह विजय बेहद कमजोर है। बुधनी में सरकार के कामकाज से प्रभावित ओर खुशी जाहिर करने वाले मतदाताओं को संख्या में कमी हुई है।

उपचुनाव श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा में भी हुआ जहां का परिणाम प्रदेश की सरकार और मुखिया मोहन यादव के कामकाज से जनता की नाराजी व्यक्त करता प्रतीत हो रहा है। यहां हुए चुनाव में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए रामनिवास रावत को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस ने मुकेश मल्होत्रा पर दांव खेला था। रामनिवास रावत जो भाजपा की सरकार में वन मंत्री बना दिए गए थे। चुनावी रण में कांग्रेस उम्मीदवार से 7000 मतों से पराजित हो गए। आमतौर पर माना जाता है कि उपचुनाव में सत्ताधारी दल के विजय रहने की संभावना बहुत अधिक रहती है। विजयपुर में भाजपा का पराजित होना सरकार की नीतियों, योजनाओं, कार्यप्रणाली से क्षेत्र की नाराजी के तौर पर देखा जा रहा है। विजयपुर में भाजपा की हार और बुधनी में जीत के अंतर का कम होने का अर्थ सरकार के कामकाज से नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है। 2023 में मध्यप्रदेश में प्रचंड जीत के बाद केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश के मुखिया के रूप में शिवराज सिंह चौहान को बदलकर नए चेहरे के रूप में मोहन यादव को मुख्यमंत्री चुना था। भाजपा का यह प्रयोग प्रदेश की जनता को भी अचंभित करने वाला माना गया था। अब जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन यादव को एक वर्ष का समय होने जा रहा है। एक सरकार के लिए सालभर का समय यूं तो कम है। उपचुनाव में प्राप्त मिलीजुली सफलता को सरकार के मुखिया के कामकाज के मूल्यांकन का आधार माना जा सकता है। किन्तु यह भी तो माना जाएगा कि मोहन यादव के नेतृत्व हुए लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में भाजपा ने क्लीन स्विप करते हुए 29 लोकसभा सीटों पर जीत का परचम लहराया था। अपने वर्षभर के कार्यकाल में बतौर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सक्रियता दिखाई है। उनके मुखिया रहते ही धार्मिक स्थलों से बजने वाले तेज साउंड को रोकने का दृढ़ फैसला लिया गया। इस निर्णय को लागू भी कराया गया। उनका यह निर्णय जनसामान्य को राहत देने वाला माना गया है। प्रदेश की सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियों को बंद किए जाने का निर्णय भी बढ़ते भ्रष्टाचार को रोकने का कारगर उपाय माना जा रहा है। उनके निर्णय से मध्यप्रदेश सरकार की छवि में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन यादव की सालभर गणना के अनेकों आधार हो सकते है। उपचुनाव में भाजपा को विजयपुर में मिली असफलता और बुधनी में पूर्व के अंतर को कायम न रख पाना विधानसभा की अंदरूनी राजनीति का परिणाम भी माना जा सकता है। एक मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन यादव अब तक अच्छे प्रशासक सिद्ध हुए है। आगे आने वाले समय में उन्हें प्रशासनिक कसावट लाने की आवश्यकता है। प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी चिंता का सबब है। आयुष्मान योजना में निजी चिकित्सालयों में पनप रहा भ्रष्टाचार जनता की परेशानी बढ़ाने वाला है। खनन, शराब और राशन माफियाओं पर सख्ती की आवश्यकता है। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की जनता तक पहुंच कम हुई है। जिले के अधिकारियों का ग्रामों से संपर्क कम हुआ है। ग्रामीणों को अपने काम के लिए जिला मुख्यालय या तहसील मुख्यालय जाने के बजाए महीने में एक बार अधिकारियों की टीम को ग्रामों तक पहुंचना चाहिए। ह्यआपकी सरकार आपके द्वारह्व मात्र श्लोगन ही नहीं जनता की समस्याओं को निराकरण करने का सूत्र है। मोहन यादव की सरकार को इस सूत्र को कार्य व्यवहार में लाना होगा। एक मुखिया के तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज से तुलना करना न्यायसंगत नहीं होगा। शिवराज सिंह चौहान को मामा शिवराज सिंह बनने में बरसो लगे है। लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के बाद जनता के चहेते बन पाए थे। कुछ कमी के बावजूद भी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के कामकाज को अभी संतुष्टिपूर्ण कहा जा सकता है। आशा करनी चाहिए कमियों में सुधार होगा जनता के बीच पांच वर्षीय मूल्यांकन में मोहन यादव खरे और बेहतर होंगे, उनका कामकाज भी संतोषजनक होगा।

-नरेंद्र तिवारी स्वतंत्र लेखक

पुरुषों को स्त्रियों का कृतज्ञ होना चाहिये

संजीव ठाकुर

स्त्रीयां सदैव विराट स्वरूपा होती हैं हर काल, हर युग मे नारी पूजनीय रहीं हैं।महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का सर्वोत्तम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे और वही पुरुष समाज स्त्रियों का अनादर कर सरे आम घर में, समाज और देश कोने कोने में स्त्री अस्मिता से खिलवाड़ कर अपने पुरुष होने का अति अशोभनीय दम्भ भरता है। नारियां कब तक पुरुषों द्वारा किए गए इन अनाचारों को झेलती रहेगी।

भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को ₹माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्याः₹ अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है।जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

अयोध्या के लिए ट्रेनों की संख्या कम होने से मुम्बई से जाने वालों की दिक्कतें बढ़ी

मुंबई। देश के जाने माने धार्मिक स्थल भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या कैंट के लिए मुंबई से जाने वाली ट्रेनों की संख्या कम होने से ठंडी के इस मौसम में मुंबई से अयोध्या जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है मुंबई से अयोध्या के लिए मात्र तीन ट्रेनें चलाई जा रही है। जबकि प्रति दिन उत्तर प्रदेश और अयोध्या के लिए हजारों लोग जा रहे हैं। उसके बाद भी रेल मंत्रालय अयोध्या जाने वालों के लिए नई ट्रेन नहीं चला रहा है। बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से मुंबई और देश विदेश से बड़ी संख्या में लोग भगवान राम लला के दर्शन के लिए अयोध्या जा रहे हैं। बताया जाता है कि अयोध्या के लिए मुंबई से मात्र तीन ही ट्रेनें चलाई जा रही हैं। उसमें भी कुछ ट्रेनें साप्ताहिक हैं। जबकि अयोध्या के लिए मुंबई, पूना, सूरत से प्रति दिन हजारों यात्रियों का प्रस्थान हो रहा है। उसके बाद भी यात्रियों की बढ़ती हुई संख्या को रेल मंत्रालय गंभीरता से नहीं ले रहा है। हिंदू राष्ट्र सेवा संगठन महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने बताया कि अयोध्या के लिए साकेत एक्सप्रेस, फैजाबाद सुपर फास्ट और एक अन्य ट्रेन चलाई जा रही है लेकिन ये सभी ट्रेनें साप्ताहिक हैं। जिसके कारण बड़ी संख्या में लोगों को वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ की ट्रेन पकड़ना पड़ रहा है। ऐसे में रास्ते में यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ठंडी के इस मौसम में अयोध्या के लिए डायरेक्ट ट्रेन न होने से दूरदराज के यात्रियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। राजा भाऊ सोनटक्के का कहना है कि आज अयोध्या देश विदेश में धार्मिक स्थल के नाम से मशहूर हो चुका है। ऐसे में मुंबई और विदेश से आने वाले लोगो की एक लालसा होती है कि अयोध्या में भगवान राम मंदिर का दर्शन करने का सौभाग्य मिले। लेकिन अयोध्या के लिए ट्रेनों की कमी से यात्रियों को मायूस होना पड़ रहा है। सोनटक्के ने बताया कि मुंबई से अयोध्या के लिए दैनिक ट्रेन चलाने के लिए जल्द ही रेल मंत्री , रेल महाप्रबंधक और अन्य अधिकारियों को ज्ञापन दिया जायेगा।

ईजमायट्रिप ने कॉर्पोरेट यात्रा को सुविधाजनक बनाया

मुंबई। भारत के प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवेल टेक प्लेटफॉर्म्स में से एक ईजमायट्रिप डॉटकॉम ने ईएमटी डेस्क लॉन्च किया है। यह एक ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म है, जिसे कॉर्पोरेट यात्राओं को बेहतर बनाने और आधुनिक व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये तैयार किया गया है। ईएमटी डेस्क में एक सहज सिस्टम में रणनीतिक रूप से निगरानी रखने, कर्मचारियों के लिये फायदेमंद बेनेफिट्स और यात्रा के वास्तविक समय में प्रबंधन का संयोजन किया गया है। यह प्लेटफॉर्म उन व्यावसायों के लिए एक स्मार्ट अनुभव सुनिश्चित करता है जोकि अपने खर्च को कम से कम करना चाहते हैं और कर्मचारियों की यात्रा को संतोषजनक बनाना चाहते हैं। ईजमायट्रिप के को-फाउंडर श्री रिकांत पिट्टी ने कहा, ईएमटी डेस्क का शुभारंभ कॉर्पोरेट यात्रा के अनुभव को अधिक आसान और असरदार बनाने की हमारी सोच से मेल खाता है। ईएमटी डेस्क के साथ हम ऑनलाइन सुविधा तथा कॉर्पोरेट यात्रा की रणनीतिक आवश्यकताओं के बीच का अंतर दूर कर रहे हैं। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि व्यवसायों के पास अपने यात्रा अनुभवों की योजना बनाने, प्रबंधन करने और उन्हें बेहतर बनाने के लिये स्मार्ट, स्थायी तथा सुगम टूल्स हों। ईएमटी डेस्क के साथ ईजमायट्रिप कॉर्पोरेट ग्राहकों की अनूठी जरूरतें पूरी करता है। एक समर्पित ट्रैवेल मैनेजर हर अकाउंट पर नजर रखता है, रणनीतिक योजना और बजट का विश्लेषण प्रदान करता है, ताकि व्यवसाय के लिये यात्रा बेहतर एवं किफायती हो सके। इस प्लेटफॉर्म का एडमिन पैनल खर्चों पर नजर रखना, रिपोर्ट बनाना और यात्रा की योजना का प्रबंधन आसान करता है। इस प्रकार प्रबंधकीय कार्य आसानी से हो जाते हैं और वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। कर्मचारियों के फायदों में शामिल हैं फ्लाइट्स पर डिस्काउंट और प्रमुख होटलों में रूकना तथा एक सेंट्रलाइज्ड बुकिंग सिस्टम, जो यात्रा के सुविधाजनक एवं संपूर्ण विकल्प देने के लिये है। इसके अलावा, ईएमटी डेस्क 2407 सहयोग के साथ कॉर्पोरेट यात्रा को कारगर बनाता है और सुनिश्चित करता है कि यात्रा की योजना का अनुपालन तथा 03-स्तर की स्वीकृति का मैट्रिक्स ईमेल एवं व्हाट्सऐप के माध्यम से प्रबंधित हो।

ई - मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी ने पर्सागढ़ बाजार, एकमा, सारण में नया स्टोर खोला, सभी दवाओं पर 20% की छूट

मुंबई/सारण। ई- मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी, जो कि स्वास्थ्य और फार्मेसी क्षेत्र में एक अग्रणी नाम है, ने आज पर्सागढ़ बाजार, एकमा, सारण में अपने नए स्टोर का भव्य उद्घाटन किया। यह नया स्टोर स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाने के उद्देश्य से सभी दवाओं और हेल्थकेयर उत्पादों पर 20% की छूट प्रदान करेगा। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सत्येंद्र प्रसाद कुशवाहा ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन समारोह में फ्रेंचाइजी मालिक श्री रवि रंजन कुमार ने स्टोर की कार्यप्रणाली और सेवाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित अतिथि जैसे श्री विश्व रंजन कुमार, डॉ. बलिराम ठाकुर, डॉ. बच्चा लाल पांडे, श्री विश्वनाथ राय, श्री योगेंद्र प्रसाद, श्री सरोज सिंह, श्री नवीन कुमार, और श्री राजा राम साह उपस्थित थे।

महिला के गले से मंगल सूत्र छीनकर अज्ञात लुटेरा फरार

भिवंडी। भिवंडी कामतघर क्षेत्र के फेणेगांव में दोपहर के समय दिन दहाडे.महिला के गले से मंगल सूत्र छिनकर अज्ञात चोरों व्दारा फरार हो जाने की घटना ने पुलिस प्रशासन की नीद हराम कर दी है। जिसको लेकर शहर में अनेक प्रकार की चचाएं हो रही है। चोरी, छिनौती ,डकैती पकेट मारी,जबरन लूट पाट, घोखाधडी.के अलावां नकली पुलिस बनकर ठगी, आदि घटनाओं को रोकने में पुलिस रोकने में नाकाम रही है।

भिवंडी कामत घर फेना गांव में एक अज्ञात व्यक्ति ने एक महिला की दुकान में घुसकर उसके गले से लगभग ३०,००० हजार रुपये कीमत की सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गया। घटना उस समय हुई जब आरती संतोष गुप्ता, फेणे पाडा में अपनी किराने की दुकान चला रही थीं। वह दुकान में अकेली थीं।

दोपहर करीब ३ बजे एक व्यक्ति दुकान में घुसा और १० ग्राम सोने की चेन जबरन झपट कर फरार हो गया। महिला ने बताया कि आरोपी की उम्र लगभग ४० से ४५ वर्ष थी। वह नीले फूलों वाली शर्ट और काली पैंट पहने हुए था। घटना के बाद भिवंडी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फिलहाल इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ताकि आरोपी का पता लगाया जा सके। चेन स्नेचिंग की यह घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है? पुलिस ने स्थानीय निवासियों से सतर्क रहने और किसी संदिग्ध व्यक्ति के होने की सूचना पुलिस को तुरंत देने की अपील की है। इस घटना ने इलाके के लोगों में दहशत फैला दी है और महिला दुकानदारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रवींद्र चव्हाण के नेतृत्व में न्यू फोर्स अकादमी' छात्रों के सपनों को पूरा कर रही है

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। 'डोंबिवलीकर न्यू फोर्स अकादमी' उन युवक और युवतियों के सपने को साकार करने में अपना अमूल्य योगदान दे रही है जो वर्दी पहनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। डोंबिवली और आसपास के इलाकों में ऐसे कई युवक और युवतियां हैं जो वर्दी पहनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। लेकिन सामान्य परिवारों के सभी छात्र इस प्रशिक्षण का खर्च वहन नहीं कर सकते। लेकिन देश से प्यार करने वाले किसी भी युवा का सपना अधूरा न रह जाए, किसी भी युवा को अपना सपना न छोड़ना पड़े, इसी वजह से नामदार रवींद्र चव्हाण के माध्यम से 'डोंबिवलीकर न्यू फोर्स अकादमी' की स्थापना की गई। इस अकादमी के माध्यम से देश की सेवा करने की इच्छा रखने वाले युवाओं को लिखित एवं क्षेत्रीय दोनों प्रकार का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। हजारों-लाखों रुपये की फीस देकर दी जाने वाली ट्रेनिंग नामदार रवींद्र चव्हाण के माध्यम से डोंबिवली और आसपास के इलाकों के छात्रों को मुफ्त में दी जा रही है.

नामदार रवींद्र चव्हाण इस अकादमी के माध्यम से निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर देश सेवा की विरासत के साथ आगे बढ़ने वाले छात्रों के पंखों को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं, रवींद्र चव्हाण खुद एक अभिभावक की तरह इन सभी छात्रों की ट्रेनिंग पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। वहां छात्र को किसी चीज की कमी न रह जाए इसके लिए वे खुद सतर्क रहते हैं।

नामदार रवींद्र चव्हाण का सपना था कि डोंबिवली और उसके आसपास के क्षेत्रों के अनेक युवक-युवतियां देश सेवा में भाग लें और देश के इतिहास में डोंबिवली का नाम गौरवान्वित हो, यह सपना 'डोंबिवलीकर न्यू फोर्स अकादमी' के माध्यम से पूरा हो रहा है। नामदार रवींद्र चव्हाण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इस अकादमी में युवाओं की प्रैक्टिस का एक वीडियो शेयर किया है और युवाओं से अपील की है कि वे इस अकादमी से जुड़ें और अपने देश सेवा के सपने को पूरा करें.

इस अकादमी से अब तक कई युवक-युवतियां देश सेवा का सपना पूरा करते हुए सेना के विभिन्न दलों में कार्यरत हो चुके हैं। इनमें सुशील कनोजिया - सीआईएसएफ, रितेश तायडे - सीआरपीएफ श्रीनगर, संतोष उत्तर वाड - एसआरपीएफ पुणे, मुकर्रम शेख - एसआरपीएफ जालना, मयूरेश कदम - अग्निवीर, नीलेश उघडे - ठाणे होम गार्ड, सौरभ शेलके - ठाणे होम गार्ड, विजया वलवी - धुले फॉरेस्ट गार्ड, तेजस्विनी पाटिल - लातूर फायर ब्रिगेड, गोविंद गायकवाड - नांदेड़ पुलिस, विकास पंडित - नांदेड़ पुलिस, सीताराम सोवने - पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस, अमोल अहिरे - मीरा-भायंदर पुलिस, सोनी भूरे - ठाणे सिटी पुलिस, सोमनाथ हिंगमिरे - ठाणे ग्रामीण और ऐसे कई छात्रों को विभिन्न बलों में तैनात किया गया है।

कालिदास कोळंबकर को विधायक बनने पर दी बधाई

मुंबई(उत्तरशक्ति)। गत शुक्रवार को वडाळा विधानसभा के विधायक कालिदास कोळंबकर को लगातर ९वीं बार विजयी होने पर भारत सरकार मान्यताप्राप्त, उनके कार्यालय में लोगों ने शॉल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह, देवदास मुरांजन सहित कई लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा। आप लोग की शिकायतों को हर संभव निस्तारण करने का प्रयास करूंगा।

नाराजगी की अटकलों पर एकनाथ शिंदे ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई। नाराजगी की अटकलों के बीच महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि सरकार गठन को लेकर महायुति सहयोगियों के बीच कोई मतभेद नहीं है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि राज्य के नए मुख्यमंत्री के बारे में भारतीय जनता पार्टी जो भी फैसला करेगी, उसे उनका पूरा समर्थन होगा। बता दें, ऐसी अटकलें थीं कि शिंदे नयी सरकार के गठन से खुश नहीं हैं, लेकिन उनके एक सहयोगी ने बताया कि वह बीमार हैं और रविवार शाम को मुंबई लौटेंगे।

सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दारे में पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि सरकार गठन पर बातचीत चल रही है और सभी निर्णय महायुति के तीनों सहयोगियों शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा आम सहमति से लिए जाएंगे। अपने पैतृक गांव के दौरे पर शिंदे ने कहा कि वह नियमित रूप से अपने गांव आते हैं और उनके दौरे को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताह ही मुख्यमंत्री पद पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था।शिंदे ने कहा, 'अभी मेरी तबीयत अच्छी है। मैं यहां पर आराम करने आया था। चुनाव में बहुत भाग दौड़ हो गई थी। मैंने एक में दिन 8-10 सभाएं की थी। मैंने 2-2.5 साल के कार्यकाल में कोई छुट्टी नहीं ली थी। सरकार जनता के आवाज वाली सरकार है। मेरा समर्थन सरकार के साथ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह जो कहेंगे उसे मेरा पूरा समर्थन है। हमारे तीनों दलों में समन्वय है। भाजपा, शिवसेना और अजित पवार की राकांपा के महायुति गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में भारी जीत के साथ सत्ता बरकरार रखी, जिसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा कि नयी महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर की शाम दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल होंगे।

अभी तक इस बात की घोषणा नहीं हुई है कि मुख्यमंत्री कौन होगा, लेकिन भाजपा सूत्रों ने बताया कि दो बार मुख्यमंत्री रह चुके देवेंद्र फडणवीस इस पद की दौड़ में सबसे आगे हैं।

विधायक दिलीप मामा लांडे को युवा समाजसेवक प्रवीण भानुशाली ने दी बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवली विधानसभा में दूसरी बार शिवसेना से निर्वाचित हुए विधायक दिलीप मामा लांडे को बधाईयों का तांता लगा हुआ है। बता दें कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में मात्र कुछ सौ वोट से दिलीप मामा लांडे विजई हुए थे लेकिन इस बार दिलीप लांडे भारी मतों से दूसरी बार विधायक चुने गए। जिसके कारण चांदिवली विधानसभा में जगह जगह दिलीप मामा लांडे का हर्षोल्लास के साथ स्वागत नागरिकों द्वारा किया जा रहा है। साकीनाका के युवा समाजसेवक प्रवीण भानुशाली ने दिलीप मामा लांडे को बधाई देते हुए कहा कि मामा विकास पुरुष हैं चांदिवली विधानसभा में विकास की जो योजनाएं शुरू हैं वह उन्हीं की देन है। खास बात यह है कि मामा ने अभी से ही चांदिवली विधानसभा के अंतर्गत आने वाले पुलों, स्कूलों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए अभी से ही संबंधित अधिकारियों के साथ बैठकें करना शुरू कर दिया है। विधानसभा चुनाव में उत्तर भारतीय समाज, भानुशाली समाज और अन्य समाज के लोग पूरी तरह से मामा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे। जिसका नतीजा यह हुआ कि दिलीप मामा ने चांदीवली विधानसभा में भारी मतों से विजई होकर एक इतिहास रच दिया।

नियम और कानून को ठेंगा दिखाकर चल रही हैं स्कूल बसें

भिवंडी। भिवंडी में चलने वाली स्कूली बसें नियम और कानून को ताक पर रख कर चलाई जा रही हैं। बसों की हालत खराब होने के बावजूद भिवंडी की खतरनाक गड्ढे युक्त पर बेतहासा दौड़ रही हैं। इससे खतरनाक बात यह कि प्रशिक्षण बगैर खटारा बसे चलवाई जा रही है।

खबर के अनुसार कुछ दिन पहले बिना लायसेंस के बस चला रहे चालक व्दारा हुए सड़क हादसे में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई थी। शहर में कभी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।इस खतरनाक स्थिति में ठाणे आरटीओ तथा भिवंडी यातायात पुलिस विभाग व्दारा इन स्कूली बसों पर कार्रवाई को लेकर भारी लापरवाही बरत रही है। इससे स्कूली बसों में सफर कर हैं।बच्चों की सुरक्षा पर सवालिया निशान खडा.हो गया है। इस घटना को सुनकर अभिभावकों और जनता में रोष व्याप्त है। भिवंडी शहर व आस पास के इलाकों में सैकडों इंग्लिश, हिंदी, तेलगू , मराठी, गुजराती,उर्दू, आदि विभिन्न भाषाओं का स्कूल संचालित है।कई बड़े तामझाम वाले स्कूल अपने स्कूली छात्रों को स्कूल में लाने व घर पर पहुंचने के लिए ठेका पद्धति से बस चलवाते है।सूत्र बताते है कई स्कूल की बसे खटारा है,जिसमे मामूली बारिश में भी पानी टपकता है।स्कूल संचालकों की अनदेखी के कारण अधिकांश ठेकेदार बसे पर बिना लायसेंस व अप्रशिक्षित चालकों से बसे चलवाते है।जिसके कारण जहां मासूम बच्चों का जीवन खतरे में पड़ा रहता है। वहीं पर दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है।इतना ही सूत्र बताते है कि कई ट्रांसपोर्टर तो आरटीओ से बिना फिटनेस शार्टिफिकेट लिए बिना बसों की पासिंग किए बसे चलवा रहे है।यहां बस चलवाने वाले ट्रांसपोर्टर हाईकोर्ट के द्वारा दिए गए गाइडलाइन का पालन नहीं करते है।उनकी बसों में न जॉली लगी रहती है न ही महिला कन्डेक्टर रखे है।बसों में सीसीटीवी भी नहीं लगाकर रखते है।बस चालक व उसके कंडक्टर छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करते है।सबसे अहम बात यह है कि कई ट्रांसपोर्टर स्कूलों की छुट्टी होने के बाद स्कूली बसों को मजदूरों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने के लिए लगा रखा है।

वही कई बस वालों ने तो बस का कलर भी पीला नहीं रखा है।लेकिन हैरत की बात यह है कि अवैध तरीके से चलने वाले बसों पर कार्रवाई को लेकर यातायात पुलिस अथवा आरटीओ कार्रवाई करने को लेकर पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। अभिभावकों में आक्रोश का कारण बना हुआ है।हालांकि इस संदर्भ में कई बार ठाणे उपप्रदेशिक अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की गई।लेकिन उनका मोबाइल स्विच ऑफ होने के कारण उनका प्रतिक्रिया नहीं मिल सका।भिवंडी के ग्रामीण इलाके में स्थित न्यू ईरा स्कूल की एम एच ४३ एच १६१० क्रमांक की स्कूल बस सोमवार की दोपहर स्कूली बच्चों को स्कूल से छुटने के बाद घर छोड़ने जा रही थी।तेज रफ्तार की उक्त बस जैसे ही गैबीनगर इलाके में पहुंची,उसी दरम्यान तीन महिलाएं सड़क क्रास कर रही थी।जिसमे से दो महिला तो बच गई लेकिन गुलजार नगर निवासी जुबेदा गुलशन(६३) को उक्त बस ने रौंद दिया।जिसके कारण उसकी मौत हो गई।मृतक महिला के बेटे की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने बस चालक इरफान हैदर पर केस दर्जकर उसे गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार बस ड्राइवर के पास वाहन चलने का लायसेंस भी नहीं था।

बावजूद इसके स्कूल संचालकों ने बस में सवार मासूम बच्चों को उनके गंतव्य तक पहुंचने का जिम्मा देकर मासूम बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया। इसके अलावा शहर में स्कूली छात्रों को स्कूल से लाने के जाने का काम निजी वाहनों के अलावा रिक्शों द्वारा किया जा रहा है।

केमिस्ट गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

भिवंडी। भिवंडी ग्रामीण ईलाके के वड़पे गांव के पास एक गोदाम में अचानक भीषण आग लगने के कारण लाखों रुपये कीमत का सामान जलकर राख हो गया। यह गोदाम ग्लोबल कॉम्प्लेक्स स्थित बिग फूट रिटेल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड का है। यहां बैग और सौंदर्य प्रसाधनों का भारी भंडारण किया गया था। सुबह अचानक लगी इस भीषण आग ने गोदाम बाहुल्य ईलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खडा. कर दिया है।भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र के वड़पे गांव के पास केमिस्ट गोदाम में भीषण आग लग जाने के कारण पूरे ईलाके में अफरा तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस आग जनी की घटना की जानकारी भिवंडी आग्निशमन दल और कल्याण -डोंबिवली अग्निशमन दल को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। और आग पर काबू पाने के लिए दमकल के जवानों को लगभग चार से पांच घंटे मसक्कत करनी पड़ी। परंतु आग इतनी भयावह थी कि गोदाम में रखा लाखों का सामान पूरी तरह खाक हो गया। आग के कारण पूरे इलाके में धुएं का गुबार फैल गया । जिससे स्थानीय लोगों में अफरा तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि सुबह का समय होने के कारण गोदाम में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, अन्यथा यह हादसा और भयावह हो सकता था।

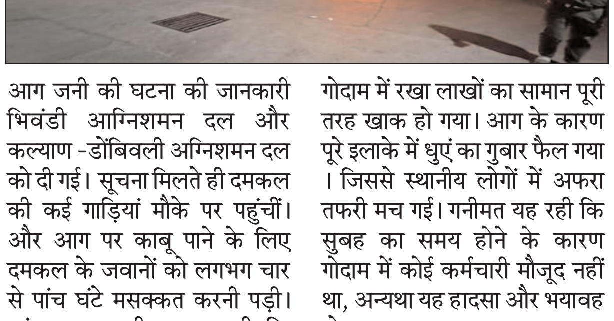

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

डंपर की चपेट में आने से युवक घायल, गम्भीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार आरही डंपर की चपेट में आने से एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार नगर के इराकियाना निवासी 26 वर्षीय जीशान पुत्र अकबर अली रविवार की सुबह अपने मोटरसाइकल से काम पर जा रहा था की रास्ते मे मेन रोड यूनियन बैंक का पास विपरीत दिशा से आरही तेज डंपर की चपेट में आ गया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। विडम्बना देखिए डंपर के पहिये के नीचे आने से युवक का एक पैर बुरी तरह से कुचल चुका था। मगर तमाशबीन हॉस्पिटल पहुंचाने के बजाय तमाशा देख रहे थे। किसी तरह कुछ सभ्रांत लोगों ने मिलकर राजकीय पुरुष चिकित्सालय ले गए, तब तक मौके पर परिजन भी पहुंच चुके थे। घायल का प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देखते हुए बेहतर इलाज के चिकित्सकों ने जिला अस्पताल भेज दिया। बतातें हैं उक्त युवक नगर के फैजाबाद रोड स्थित एक हॉस्पिटल में लैब टेक्नीशियन का काम करता है। सुबह अपने ड्यूटी पर ही जा रहा था तभी रास्ते मे सड़क हादसा हो गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार युवक की हालत अभी भी गम्भीर बनी हुई है।

राजकीय इण्टर कॉलेज मवई सोंधी में लगा कैरियर मेला

आफताब आलम

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज के क्षेत्र राजकीय इंटर कॉलेज मवई जौनपुर में बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए कैरियर गाइडेन्स कैरियर मेला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजकीय इंटर कॉलेज मवई के प्रधानाचार्य पवन कुमार गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय हाई स्कूल पसेवा के प्रधानाचार्य प्रेमचंद यादव एवं विशिष्ट अतिथि सेवानिर्वित प्रधानाचार्य रमेश चंद यादव एवं प्रधानाचार्य राजकीय हाई स्कूल भकुरा प्रभाकर सिंह प्रधानाचार्य सरकारी इंटर कॉलेज मिहरावा डॉ० रामदत्त सिंह एवं यूनियन बैंक मैनेजर निशांत गौरव, महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज मानी कलां प्रबंधक जयप्रकाश गुप्त तथा डॉ बृजेश कुमार श्रीवास्तव रहें। कार्यक्रम का संचालन स.अ.अजय कुमार शुक्ला एवं स.अ. विनय कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पार्पण हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन कुमार गुप्त ने अतिथियों का अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रेमचंद्र यादव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा आप जिस भी क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते है। डॉक्टर, प्रोफेसर, अध्यापक, इंजीनियर, वैज्ञानिक, आईएएस, पीसीएस, नेता, अभिनेता, बैंकिंग, कृषि, व्यवसाय आदि क्षेत्र मेंअपना लक्ष्य निर्धारित कर अपने करियर के अनुसार विषय का चुनाव कर अपने गुरुओं के कुशल मार्गदर्शन में अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते है। उपस्थित सभी वक्ताओं ने बच्चों के करियर से संबंधित विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में रितु चौबे, ललित चौबे गौतम जायसवाल, रामनयन उर्फ बच्चू चौहान आदि विद्यालय के बच्चों सहित भारी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

कर्मचारियों को सम्मानित करना मेरे लिए गर्व की बातः ज्योति कृष्णा जायसवाल

चेयरमैन एवं अधिशासी अधिकारी के हाथों ट्रैक सूट पाकर खिले सफाई कर्मचारियों के चेहरे

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल एवं अधिशासी अधिकारी सना सगीर नें समस्त सफाई कर्मचारियों को नगर पंचायत केराकत के मीटिंग हाल में उत्साह वर्धन करनें हेतु माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया और ठण्ड को ध्यान में रखते हुए ट्रैक सूट वितरित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल नें कहा कि कर्मचारियों के उत्साह वर्धन में उनके द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य करनें वाले कर्मचारियों को इसी तरह सम्मानित किया जाएगा। मेरे लिये सौभाग्य कि बात है कि मैं अपने नगर पंचायत केराकत के सभी सफाई कर्मचारियों को सम्मानित की हूं। इन्हीं सफाई कर्मचारियों की लगन और मेहनत से मेरा केराकत नगर साफ सफाई के मामले में सर्वोपरि है। चेयरमैन साहेबा ने कहा कि कभी भी नगर पंचायत केराकत के समस्त कर्मचारियों को सम्मानित करने का काम नहीं किया गया था। जो पहली बार मेरे द्वारा किया गया है। आगे भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन पति प्रतिनिधि एवं युवा नेता कृष्णा जायसवाल गोलू ने कहा कि केराकत नगर पंचायत में चेयरमैन साहेबा द्वारा नगर में ट्यूबवेल, ट्राली रिक्शा, पेयजल हेतु वाटर टैंकर, मीटिंग हाल का सुन्दरीकरण, ग्राम हुरहुरी के एम0 आर0 एफ0 सेन्टर में निर्माण कार्य, नगर में पेयजल पाईप लाईन का विस्तार, वाटर कूलर लगवानें का कार्य, केराकत नगर के प्रमुख स्थानों पर दर्जनों स्ट्रीट लाईट लगवानें का कार्य, पेयजल समस्या निवारण हेतु इण्डिया मार्का हैंडपंप मरम्मत सामाग्री, पेयजल विस्तार पाईप लाईन का कार्य, नाली, इण्टर लाकिंग सड़क का निर्माण कार्य, वर्षों से विवादित मामलों को समाप्त कराते हुए इण्टर लाकिंग सड़क व नाली निर्माण कार्य, सहित आदि बहुत से अनगिनत रिकॉर्ड विकास कार्य कराए गए हैं। और अभी भी नगर में विकास कार्य प्रारंभ है। इस अवसर पर सभासद फिरोज खान, लिपिक अजय कुमार निषाद, कम्प्यूटर आपरेटर, अमित कुमार साहनी, आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रेमी के शादी से इनकार करने पर प्रेमिका ने दी जान

प्रेमी को व्हाट्सअप मैसेज कर कुएं में कूदी

जीशान अहमद खान

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ में प्रेमी की बेवफाई से आहत एक प्रेमिका ने कुएं में कूदकर अपनी जान दे दी। मेंहनाजपुर थानाक्षेत्र के नोनीपुर गांव की एक युवती का चंदौली जिले के निवासी युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों की शादी की बात भी चल रही थी। परंतु प्रेमी ने शादी से इंकार कर दिया। इससे युवती को बहुत बड़ा सदमा लगा। उसने प्रेमी को व्हाट्सअप मैसेज किया कि मैं आपके बिना नहीं जी सकती, मेरी लाश घर के पास वाले कुएं में मिलेगी। इसके बाद उसने कुएं में कूद कर अपनी जिंदगी समाप्त कर ली। उधर युवती के घर में न मिलने पर घरवालों ने खोज बीन शुरू कर दी। युवती के पिता ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई। खोज बीन में जब युवती की मोबाइल चेक की गई तो वहां घर वालों को युवती द्वारा प्रेमी को भेजा मैसेज मिला। भाग कर जब घर वाले कुएं के पास पहुंचे तो उसमे युवती का शव दिखा। युवती की मौत से गांव में तरह तरह की चर्चाएं होने लगीं। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घर में चारपाई पर सोई गायब मासूम बच्ची नहर के किनारे मिली

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया जगतपुर निवासी होरी पटेल की पुत्री किरन पत्नी अमित पटेल निवासी हरिहरपुर अपने मायके जगतपुर आयी हुयी थी। अपनी 6 माह कि बच्ची को धूप में चारपाई पर सुलाकर घर मे कपड़ा लेने गयी। आयी तो देखा कि चारपाई पर बच्ची नहीं थी तो शोर मचाने लगी जिसके दौरान परिजन आ गए और बच्ची की खोजबीन करने लगे। खोजबीन के दौरान घर से लगभग 500 मीटर दूरी पर नहर के किनारे बच्ची पड़ी मिली। कुछ लोगों ने बताया कि बगल के गांव का एक अर्धविक्षिप्त बच्ची को लाकर वहीं फेंक कर चला गया। परिजन बच्ची को ले जाकर डॉक्टर से जांच कराई बच्ची सकुशल थी अपनी बच्ची को पाकर मां किरण देवी की आंखों में खुशी की आंसू छलक पड़ी।

अतिक्रमण के खिलाफ एक्शन, पुलिस बल की मौजूदगी में तोड़ी गईं दुकानें

◆ वाराणसी में लोक निर्माण विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी जिले के मंडुवाडीह चौराहे पर रविवार की सुबह लोक निर्माण विभाग की टीम जेसीबी के साथ पहुंची। मंडुवाडीह चौराहे के पश्चिम में स्थित दरगाह के पास और चौराहे पर मौजूद दुकानों को गिराया गया। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों और लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों के बीच झड़प की स्थिति पैदा हो गई। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को संभाला और माहौल को शांत कराया। कार्रवाई में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारी शामिल रहे। अतिक्रमण हटाने के दौरान मंडुवाडीह थाने के कार्यवाहक प्रभारी राहुल सिंह और लहरतारा चौकी प्रभारी पवन यादव ने टीम का नेतृत्व किया। उनके साथ अन्य पुलिसकर्मी भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। कार्रवाई से प्रभावित दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों में नाराजगी देखी गई। लेकिन प्रशासन ने इसे जनता और सड़क व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम बताया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिनको मुआवजा मिल चुका है उसके निर्माण को तोड़ा गया है।

जफराबाद पुलिस ने जानलेवा हमला व रंगदारी वसूलने वाले 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण में थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 जय प्रकाश यादव के नेतृत्व में दिनांक 30.11.2024 को जेई लवकुश सिंह जलजीवनमिशन के साथ जान से मारने की नियत से हमला कर मरणासन्न करने तथा रंगदारी वसूलने के सम्बन्ध मे पंजीकृत मु0अ0सं0-246/2024 धारा 109(1)/110/115(2)/352/351(3) /308 (5) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त 1.कुन्दन यादव पुत्र रामप्रवेश यादव नि0 सिरकोनी बहादुरपुर थाना जलालपुर जौनपुर 2.अमित कुमार पुत्र अशोक कुमार नि0 सुरहुरपुर थाना जलालपुर जौनपुर को अहमदपुर तिराहे से 14.30 बजे गिरफ्तार किया गया तथा अभि0 के कब्जे से एक लोहे की राड व मोबाइल बरामद किया गया। 1. मु0अ0स0 244/23 धारा 323/504/325 भादवि थाना जलालपुर जौनपुर। 2. 1018/27 धारा 308/323/336/ 337/504/506 भा.द.बी. थाना जलालपुर जौनपुर। 3. मु0अ0सं0-246/2024 धारा 109(1)/110/115(2)/ 352/ 351(3)/ 308(5) बीएनएस थाना जफराबाद जौनपुर। 2.अमित कुमार पुत्र अशोक कुमार नि0 सुरहुरपुर थाना जलालपुर जौनपुर।1. मु0अ0स0 67/21 धारा 120बी/363/366 भा.द.वी. 17/18 पाक्शो एक्ट थाना जफराबाद जौनपुर। 2. मु0अ0सं0-246/2024 धारा 109(1)/110/ 115(2)/ 352/351(3)/ 308(5) बीएनएस थाना जफराबाद जौनपुर। बरामदगी 1.एक लोहे की राड व मोबाईल।

सेवानिवृत्ति होमगार्ड को दी गई भावभीनी विदाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाने पर तैनात होमगार्ड जवान चन्द्रशेखर शर्मा के सेवानिवृत्ति होने पर रविवार को जलालपुर थाना परिसर में प्रदीप दुबे अध्यक्ष होमगार्ड की अध्यक्षता में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ व जलालपुर थानाध्यक्ष घनानन्द त्रिपाठी रहे। इस मौके पर थानाध्यक्ष ने कहा कि इनके साथ कार्य करने के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला हर सरकारी कर्मी के जीवन में यह क्षण आता है। सभी सरकारी कर्मी को कभी न कमी सेवानिवृत्त होना है।

फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ ने कहा कि सरकारी नौकरी में पदस्थापन, स्थानांतरण, सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया एक चक्के की तरह घूमती रहती है। इन सभी चक्र से सभी कर्मियों को एक बार गुजरना पड़ता है। इस प्रक्रिया से कोई भी पदाधिकारी व कर्मचारी को आहत होने की जरूरत नही है। इस दौरान फिल्म अमिनेता चन्दन सेठ व थानाध्यक्ष घनानन्द त्रिपाठी ने सबसे पहले सेवानिवृत्ति होमगार्ड जवान को फूल माला,शॉल अंगवस्त्र, साइकिल उपहार देते हुए भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर एसएसआई रामनिवास,एसआई रोहित राज यादव, बृजभूषण उपाध्याय प्लाट्न कमांडर, कृपाशंकर दुबे प्लाटून सहायक कमांडर, सतीश उपाध्याय उपाध्यक्ष, सुनिल मिश्रा संगठन मंत्री, सुशील उपाध्याय संरक्षक, राजेश यादव कोषागार मंत्री, राकेश सिंह, माधव सिंह, सुरेश सिंह, पीयूष सिंह, राकेश गिरि, सुरेन्द्र यादव, अशियम सहित थाना के सभी पुलिसकर्मी व होमगार्ड मौजूद रहे।

मुफ्त दवा कैंप और मेडिकल जांच का हुआ आयोजन

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अरुणोदय सर्जिकल एंड ट्रामा सेंटर के सौजन्य से मुफ़्त मेडिकल चेकअप और मुफ़्त दवा का आयोजन पानदरीबा रोड निकट जेडी इलेक्ट्रॉनिक के निकट सम्पन्न हुआ, जिसमे लगभग दो सौ से अधिक मरीजो ने निशुल्क जांच करवाकर मुफ़्त दवा प्राप्त कि जिसमे बटोर अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता जावेद जैदी रहे। इस मौके पर जावेद ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से लोगों ने अपनी बीमारी और उसके मुक्कमल इलाज की चेतना जागृत होती है। वरना बहुत से लोग छोटी छोटी बीमारी को बड़ा रूप देने के बाद होश में आते है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंप लगने से लोगों को उनको बीमारी का सही से डायग्नोसिस हो जाता है। इस मौके पर डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने भविष्य में भी इसी प्रकार से निशुल्क कैम्प लगाकर गरीब असहाय वृद्ध लोगों का मुफ़्त चेकअप मुफ़्त उपचार करने का आश्वासन दिया है। समाजसेवी सैय्यद जावेद जैदी मुख्य ट्रस्टी इमामे जमाना वेल्फेयर ट्रस्ट ने अपने और अपनी टीम द्वारा डॉक्टर और उनकी पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। डॉक्टर अरुण ने बताया कि कैंप लगने से क्षेत्रीय लोगों को बीमारी के साथ साथ दवा और उसके फायदे और नुकसान का अंदाजा समय से हो जाता है। ऐसे लोग जो बड़े डॉक्टर या बड़े हॉस्पिटल जाने से घबराते है उनकी झिझक दूर होती है।

मेडिकल संचालक से मारपीट का आरोपी अभियुक्त गिरफ्तार

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर पीली नदी पुल के पास से रविवार को मेडिकल संचालक से मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीते दो अक्टूबर को खुटहन थाना क्षेत्र के बेसहुपुर गांव निवासी रवींद्र कुमार तिवारी अपनी मेडिकल की दुकान को बदलापुर से बंद करके घर जाते समय बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मदापुर गांव के पास मनबढ़ो ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश में जुट गई। प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद मिश्रा ने बताया कि मेडिकल संचालक से मारपीट करने के आरोप में राहुल यादव पुत्र हरिओम यादव निवासी देवरामपुर थाना बदलापुर को शाहपुर पीली नदी पुल के पास से रविवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस अग्रिम विधिक कार्यवाहीं में जुटी है।

शिक्षक ने छात्र को बुरी तरह पीटा, परिजन ने लगाई डीएम से न्याय की गुहार

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के मजीठी निवासी सरिता देवी पत्नी इंद्रजीत बिंद ने शुक्रवार जिलाधिकारी जौनपुर को प्रार्थना पत्र दिया जिसमें एक शिक्षक पर उसके आठ वर्षीय पुत्र को स्कूल में मारने पीटने व जान से मार डालने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए। शिक्षक के खिलाफ कार्यवाई किए जाने की मांग की है। सरिता देवी ने प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसका आठ वर्षीय पुत्र अजीत कुमार बिन्द स्थानीय प्राइमरी पाठशाला में कक्षा चार का छात्र है। प्रतिदिन की भांति शुक्रवार स्कूल गया था।जहां कार्यरत सहायक अध्यापक दिनेश कुमार ने बिना किसी कसूर के ही मेरे बच्चे को लात, घूसा, थप्पड़ व डंडा से मारने पीटने लगे। चीखते चिल्लाते भयभीत होकर घर पंहुचा और फूटफूट कर रोने लगा पूछने पर आप बीती बताया। उलाहना लेकर जब स्कूल पहुची तो वही अध्यापक दिनेश कुमार मुझे भी गाली गलौज देते हुए। मेरे ही सामने बच्चे को फिर पीटने लगे विरोध किया तो गाली गलौज और एससीएसटी का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देते हुए भगा दिए। जिससे बच्चे के पैर और शरीर में चोट के निशान है। इस सम्बन्ध में खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेशचन्द्र पटेल का कहना है कि मारपीट जैसी कोई जानकारी अभी तक नही मिली है। शिकायत मिलने पर जांच कर कार्यवाई होगी।

एचआईवी एड्स बनाम चुनौतियों की श्रृंखला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जीरो पेसेंन्ट (1959) से आज तक के समय को एच०आई०वी०/एड्स के परिपेक्षय में देखा जाय तो बेहद डरावना और सनसनीखेज है। गैटेन दुगास जिन्हें पहला संक्रमित व्यक्ति माना जाता है। 1959 में गैटेन दुगास उन पाँच लोगों की टीम के एक व्यक्ति थे जो समलैंगिक और सक्रमित थे। मि० गैटेन दुगास कैनेडियन फ्लाइंट के अटेण्डेंट थे। ऐसा माना जाता है कि मि० दुगास ने जान बूझ कर लोगों के साथ शारीरिक सम्बन्ध स्थापित किये।जिससे सकमण और फैल सके। थूगांडा का एक गांव जिसे शापित माना जाता है। उसका नाम कोपेनस था। जहाँ लोग बहुत तेजी से मरने लगे। विश्व का अधिक संक्रमित विवादित गांव माना गाय। 1986 में संक्रमण वाले रहस्यमई बायरस को नाम मिला। डा० गैलो ने नाम दिया हयूमन अम्यूनो डिफिसियेन्सी वायरस फिर 1988 से विश्व एड्स दिवस मनाया जाने जगा। फिर में जागरूकता के अलावा एड्स संक्रमित लोगों की मृत्यु पर श्रद्धांजली भी दिया जाता है। विकसित स्वास्थ्य व्यवस्था वाला भारत एड्स संक्रमण से निरन्तर लड़ने में नवीन तकनीकी संसाधनों में लगा है। लक्ष्य है कि किसी भी तरह क्षैतिज प्रवाह को रोकना भारत में पहला व्यक्ति संक्रमित चेन्नई में 1986 में मिला। तब से ही रोकने का प्रयास निरन्त है। मुख्य चार कारणों में ही बचाव की तकनीकी छुपी है। जिन कारणों से हो जाता है संक्रमण बस उन्हीं कारणों से बचाव ही वो टूल्स है। निडिल सिरिंज के साझा प्रयोग पर बहुत हद तक रोकथाम होने के बाद भी एक नया शौक युवाओं में अत्यधिक देखा जा रहा है। जो सच में बेहद चुनौतीपूर्ण है। वो है टैटू या गोदना कह सकते हैं। ब्लड बैंक पर परीक्षण के उपायों को ज्यादा प्रभावी बनाते हुए एच०आई०वी० के साथ जीवन यापन करने वाले लोगों को सन्तान उत्पत्ति को रोकने के लिए भारत सरकार के निति विशेषज्ञों को ध्यान देना चाहिए। क्योंकि संक्रमण के साथ जीवन बिताने वाले लोग ज्यादातर अनपढ पाये गये और सन्तान उत्पत्ति ही वो अपना राष्ट्रीय कर्तव्य समझते हैं। यदि गर्भधान को रोकने के लिए कुछ ज्यादा प्रभावी स्ट्रेटिजि बनाई जाये तो और सन्तोषजनक परिणाम प्राप्त होंगे। (लेखिका का व्यक्तिगत अनुभव है)

1992 में एड्स कन्ट्रोल कमेटी के बनने के बाद निरन्तर प्रभावी तकनीकी का प्रयोग कर के संक्रमण को पूरी तरह से रोकने का प्रयास होता रहा है।

विगत दिनों भारत सरकार की स्ट्रेटिजि संक्रमित रोगियों यानी पाजिटिव पॉकेट का खेजना और सूचि बनाना, उन्हें सेन्टर तक बुलाना जिससे की राकथाम प्रापर हो सके। जिसका नाम ट्रिपल 95 रखा गया। तकनीकी सूत्र रोकथाम के लिए स्टीमेट पापुलेशन को लाकर या जा कर जाँच करवाया जाय। संक्रमित पाये जाने वाले व्यक्तियों को ए०आर०टी० सेन्टर से लिंक करवाया जाय। ए०आर०टी० पर जोड़कर कर वायरल लोड को सेप्रेट करवाया जाय। और इसके बाद-नियमित दवा लेना बताया जाय सन्तुलित भोजन के बारे में बताया जाय परिवार नियोजन के शूत्र पर भी परिचर्चा किया जाय उन्हें हक और अधिकर के बारे में भी पूछने पर बताया जाय सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाया जाय किसी भी तरह के भेदभाव या कलंक से बचाया जाय यदि हो वो तनाव में तो परामर्श देकर बनाव से बचाया जाय। स्वास्थ्य और नियमित जीवन शैली के मायने समझाया जाय संक्रमित व्यक्ति स्वयं संक्रमण रोकने में आगे आये ऐसी भावना जगाया जाय राष्ट्र सर्वोपर्य है राष्ट्रीयता को समझकर जनता में सन्देश दिया जाय कि जानकी ही बचाव है। ये वायरस विदेशी है इसे देश से भगाया जाय और राष्ट्र को बचाया जाय। (सीमा सिंह)

चाणक्य कल्याण सेवा समिति लड़ेगी ब्राह्मणों के हित की लड़ाई

सुजानगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। चाणक्य कल्याण सेवा समिति की एक आवश्यक बैठक सबेली गांव में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज ब्राह्मणों की चतुर्दिक उपेक्षा की जा रही है। जगह-जगह पर उन्हें प्रताड़ित भी किया जाता है। अब यह सहन नहीं किया जाएगा। ब्राह्मणों के ऊपर हो रहे अत्याचार का प्रतिकार समिति करेगी। समिति के वक्ताओं ने कहा कि समिति द्वारा गरीब ब्राह्मण की बेटियों की शादी में हर संभव सहयोग किया जाएगा।ब्राह्मणों के ऐसे मेधावी छात्र जो आर्थिक तंगी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित हो जाते हैं ऐसे छात्र-छात्राओं की मदद समिति द्वारा की जाएगी। वक्ताओं ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए भी लोगों पर जोर दिया।वक्ताओं में मुख्य रुप से समिति के उपाध्यक्ष देवी सेवक मिश्र, सुशील कुमार मिश्रा, ओमप्रकाश दुबे एवं संयोजक मनोज दुबे रहे।कार्यक्रम में संजय तिवारी, दिनेश शर्मा एडवोकेट, दिनेश मिश्रा, आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

युवती संग दुराचार का असफल प्रयास

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।01 दिसंबर थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार की रात घर के बरामदे में सो रही युवती संग गांव के ही एक युवक के द्वारा दुराचार के प्रयास किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। युवती के शोर मचाने पर आरोपित युवक भाग गया। युवती की माता ने थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग किया है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। गांव निवासी युवती की माता का आरोप है कि सयानी हो चुकी बेटी घर के बरामदे में सो रही थी। शनिवार की आधी रात को गांव का ही युवक दबे कदमों से उसके बिस्तर पर पहुंच मुंह दबाकर दुराचार का प्रयास करने लगा। उसके चंगुल से किसी प्रकार से बचकर युवती ने शोर मचा दिया। मौके पर स्वजनों के पहुंचने तक आरोपित फरार हो गया। थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है घटना की छानबीन कराई जा रही है।

विद्यालय से बैटरी इन्वर्टर व एमडीएम के बर्तनों सहित 50 हजार का सामान चोरी

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।01 दिसंबर प्राथमिक विद्यालय सधनपुर के कार्यालय और रसोईघर के कमरे का शनिवार की रात चोरों ने ताला चटकाकर इनवर्टर बैटरी, गैसिलेंडर, बर्तन सहित लगभग पचास हजार कीमत का सामान उठा ले गए। प्रधानाध्यापक राजकुमार यादव ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में तहरीर दिया है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। प्रधानाध्यापक ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने आफिस व रसोईघर का ताला चटकाकर भीतर रखा इन्वर्टर बैटरी, खेलकूद का सामान,दो सिलेंडर, बर्तन तथा एक क्विंटल खाद्यान्न उठा ले गए। चोरों ने 50 हजार से अधिक कीमत का सामान पार कर दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

झपकी आ जाने से कार गिरी नहर में, चालक सुरक्षित

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। 01 दिसंबर गोसाईंपुर नहर पुलिया के पास शनिवार की रात एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। नहर में पानी न होने से चालक सुरक्षित बच गया। अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी। बुलडोजर व ग्रामीणों की मदद से कार बाहर निकाला गया। चकबेसहूदास माफी गांव निवासी विनय कुमार गोसाईं के घर शादी की बारात आई थी। आधी रात को वे अपनी कार से किसी रिश्तेदार को शाहगंज रेलवे स्टेशन पर छोड़ वापस घर लौट रहे थे। उक्त पुलिया के पास झपकी आ जाने से कार अनियंत्रित होकर नहर में उतर गई। चालक विनय कार से नीचे कूद अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। शोरगुल सुन मौके पर तमाम ग्रामीण जुट गए। दूसरे दिन बुलडोजर बुलाकर कार बाहर निकाला गया।

समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश अध्यक्ष का हुआ जनपद आगमन पर स्वागत

-बख्तियार आलम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश अध्यक्ष धनी लाल श्रमिक के प्रथम जौनपुर आगमन पर मियांपुर स्थित मंगलम लॉन में स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मजदूर सभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया एवं नवनियुक्त पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र धनी लाल श्रमिक के हाथों से दिया गया। जिसमें अमित यादव राष्ट्रीय महासचिव,मनोज कुमार शर्मा जिला अध्यक्ष, प्रदीप यादव जिला उपाध्यक्ष ,मंजय कनौजिया जिला महासचिव,के पद पर नियुक्त किए गए सभी कार्यकर्ताओं ने अपने पदाधिकारी को बधाई दी। धनी लाल श्रमिक ने कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कहा कि कहीं भी किसी भी गरीब पीड़ित मजदूर के साथ अन्याय होने पर पार्टी के पदाधिकारी पहुंचकर उनकी मदद करेंगे और न्याय दिलाएंगे।

मनबढ़ों ने लाठी डंडे से पीटकर परिवार के चार लोगों को किया घायल, एक का पैर टूटा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जफराबाद क्षेत्र के किरतापुर गांव में खेत में गड़े खूंटे को उखाड़ने का उलाहना देने पर मनबढ़ों ने एक परिवार के ऊपर लाठी डंडे और बास की बल्ली से हमला कर दिया। जिससे उक्त परिवार के चार लोग घायल हो गए। जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर गांव के हीरालाल सोनकर ने अपने खेत के किनारे खूंटा गाड़ा था। खेत के किनारे गड़े खूंटे को हीरालाल के पड़ोसी रामचंद्र ने शनिवार शाम को उखाड़ फेंका था। जानकारी हुई तो हीरा लाल ने राम चंद्र से उलाहना दिया। कुछ ही देर बाद जब हीरा लाल घर के तीन और सदस्यों के साथ अपने खेत की जुताई करवाने लगे। तभी राम चंद्र सोनकर, अशोक कुमार पांच और लोगो के साथ गाली गलौज देते हुए लाठी डंडे और बास की बल्ली से हमला कर दिया। हमले से हीरा लाल सोनकर (62) अनूप सोनकर (48) विजय बहादुर (33) और वंदना (16) घायल हो गए। हीरालाल का पैर टूट गया है और सर में चोट आई है। घटना की सूचना पर मौके पर थाना प्रभारी जफराबाद जय प्रकाश यादव फोर्स के साथ पहुच गए। पुलिस को आता देख सभी हमलावर मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सात लोगो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।आगे की कार्यवाही की जा रही हैं।

चलती बस से नीचे गिरा यात्री, मौके पर मौत

वसीम अहमद

कादीपुर,सुलतानपुर(उत्तरशक्ति)।एक यात्री चलती बस में दरवाजा खोलकर तंबाकू थूकने लगा।वह झटके में नीचे गिर गया मौके पर ही मौत हो गई।शनिवार को तंबाकू थूकने के लिए चलती बस का गेट खोलना यात्री को महंगा पड़ गया। गेट खोलकर तंबाकू थूकते समय उसका संतुलन बिगड़ गया। वह चलती बस से नीचे गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई हादसा बल्दीराय थाना क्षेत्र के बीही गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुआ। मृतक की शिनाख्त राम जियावन (58) वर्ष निवासी छतरीक रोड चिनहट लखनऊ के रूप में हुई। बस लखनऊ से आजमगढ़ जा रही थी। दुर्घटना की जानकारी होने पर यूपीडा कर्मी मौके पर पहुंचे। जानकारी पुलिस को भी दी गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बस चालक हरिश्चंद्र तिवारी ने बताया कि यात्री ने तंबाकू खाकर थूकने के लिए बस का दरवाजा खोला। संतुलन बिगड़ जाने से वह नीचे गिर गया मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

15 वर्षीय दुर्गा को बाल विवाह रोकने के लिए मिला सम्मान

पटना(उत्तरशक्ति)। साहस और संकल्प का एक शक्तिशाली प्रदर्शन करते हुए, खगड़िया जिले के पूर्वी ठाठा गांव की 15 वर्षीय दुर्गा को अपनी और अपनी बहन की बाल विवाह को रोकने के लिए उसकी असाधारण कोशिशों के लिए सम्मानित किया गया। महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के राष्ट्रीय शुभारंभ में दुर्गा की सराहना की गई। इस कार्यक्रम में बाल विवाह के खिलाफ संघर्ष करने वाले व्यक्तियों के साथ ऑनलाइन संवाद भी आयोजित किया गया। यह पहल महिला और बाल विकास मंत्रालय और अन्य विभिन्न मंत्रालयों के बीच एक संयुक्त प्रयास है। महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव अनिल मलिक ने सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति के लिए महिलाओं की कार्यबल में

भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन है और यह महिलाओं के सशक्तिकरण में एक बड़ी बाधा है। इन चैंपियन्स ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे दूसरों को इस आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। जिन बच्चों ने बाल विवाह के खिलाफ असाधारण साहस दिखाया, उन्हें सम्मानित किया गया। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए इन युवा बदलावकताओं को जागरूकता फैलाने, अधिकारियों से मदद प्राप्त करने और अपने समुदायों को इस हानिकारक प्रथा के खिलाफ खड़ा करने के प्रयासों के लिए सराहा गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को एक बाल विवाह मुक्त समाज बनाने में सक्रिय हिस्सेदार के रूप में सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने जो चुनौतियाँ झेली और समाजिक और पारिवारिक दबावों को कैसे पार किया, इस पर बात की। उनकी कहानियाँ दूसरों को भी इसी तरह के कदम उठाने के लिए प्रेरित करने का काम करती हैं। सम्मानित बच्चों को अभियान का एम्बेसडर बनाया गया, जो बाल विवाह मुक्त भविष्य के लिए उनके योगदान और समर्थन का प्रतीक बने।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए तीन दिसंबर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल के अधिवक्ताओं के सबसे बड़े संगठन दी सेंट्रल बार एसोसिएशन के चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम एल्डर्स कमेटी ने शनिवार को घोषित किया। एल्डर्स कमेटी के मुताबिक 3, 4 व 5 दिसंबर को 11 बजे से 3 बजे तक नामांकन होगा। 6 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 7 दिसंबर को नाम वापसी और संशोधन सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक हो सकेगा। इसके बाद उसी दिन प्रत्याशियों की फाइनल सूची जारी होगी। 21 दिसंबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। 22 दिसंबर की सुबह 8 बजे मतगणना शुरू होगी। उसी दिन देर शाम तक परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। नामांकन फार्म 1500 रुपये में मिलेगा। अध्यक्ष पद के लिए 25 वर्ष की वकालत का अनुभव और 12 हजार रुपये जमानत राशि देनी होगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए 20 वर्ष की वकालत का अनुभव और 11 हजार रुपये जमानत राशि देनी होगी। महामंत्री पद के लिए 15 वर्ष की वकालत का अनुभव और 10 हजार रुपये की जमानत राशि देनी होगी। इसी तरह से अन्य पदों के लिए वकालत

का अलग-अलग अनुभव और जमानत राशि तय की गई है। महत्वपूर्ण यह है कि किसी भी पद पर चुनाव लड़ने के लिए कम से कम 7 वर्ष का वकालत का अनुभव आवश्यक होगा। इससे पहले एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन विजय नरायण सिंह उर्फ लल्लू बाबू ने कमेटी के सदस्यों सभाजीत सिंह, विजय शंकर लाल श्रीवास्तव, झारखंडे सिंह व प्रमोद कुमार पाठक और विशेष आमंत्रित सदस्यों रामानंद श्रीवास्तव, श्याम बिहारी सिंह, मोहन यादव, विंध्याचल चौबे व ब्रजेश कुमार मिश्र के साथ बैठक की।

मुख्य सचिव होंगे नई बिजली कंपनियों के

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगमों को विघटित कर बनने वाली पांच नई कंपनियों के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। कंपनियां डिस्कॉम की प्रापर्टी का किसी तरह का उपभोग नहीं कर पाएंगी। नई कंपनियों को लेकर शनिवार को पावर कॉर्पोरेशन की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि मुख्य सचिव के अध्यक्ष होने से अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों एवं उपभोक्ताओं का हित सुरक्षित रहेगा। रिफॉर्म में शामिल होने वाली निजी कंपनियों के लिए बिडिंग पूरी तरह खुली और पारदर्शी होगी। इस प्रक्रिया में कंपनियों को जमीन का स्वामित्व नहीं दिया जाएगा। जमीन का स्वामित्व पावर कॉर्पोरेशन एवं राज्य सरकार का ही रहेगा। कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बताया कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट-2003 की धारा-133 में स्पष्ट है कि किसी भी कार्मिक की छंटनी नहीं होगी। बिजली के निजीकरण के फैसले के खिलाफ देशभर के बिजली कर्मचारी और इंजीनियर लामबंद हो गए हैं। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर ने पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम और चंडीगढ़ पावर डिपार्टमेंट को निजी हाथों में सौंपने के खिलाफ 6 दिसंबर को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने चेतावनी दी है कि अगर बिजली के हितधारकों (कर्मचारियों एवं उपभोक्ताओं) के शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे विरोध की अनदेखी करके जल्दबाजी में निजीकरण के फैसले को अमलीजामा पहनाने का प्रयास किया तो जिस दिन निजी कंपनी टेकओवर करेगी उसी दिन कर्मचारी और इंजीनियर कार्य बहिष्कार कर सड़कों पर उतरने पर मजबूर होंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी यूपी सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन की होगी। पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल बिजली निगम को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल में चलाने की तैयारी का मामला प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) पहुंच गया है। उपभोक्ता परिषद ने पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने दोनों निगमों में केंद्र सरकार से रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) में करीब 20415 करोड़ रुपया खर्च कर दिए। अब इन दोनों निगमों को निजी हाथों में देने की तैयारी है। ऐसे में पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए, ताकि गलत तरीके से रणनीति बनाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके। वहीं, उपभोक्ता परिषद सोमवार को विद्युत नियामक आयोग में याचिका भी दाखिल करेगी।

रैन बसेरे में मिलें सभी जरूरी सुविधाएं

मधुबन तहसील गली के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित रैन बसेरे का एसडीएम अखिलेश सिंह यादव और ईओ राकेश मिश्र ने निरीक्षण किया। व्यवस्था की जांच करते हुए रात्रि विश्राम करने वालों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। ठंड को देखते हुए राहगीरों और फुटपाथ पर निवास करने वाले असहाय लोगों के बचाव के लिए शनिवार को एसडीएम, ईओ रैन बसेरे पर पहुंचे और रैन बसेरा की साफ सफाई सहित वहां उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।वलीदपुर के मुहम्मदाबादगोहना तहसील क्षेत्र के तीनों नगर पंचायतो में अस्थायी रैन बसेरे बनाए गए हैं। शनिवार को उप जिलाधिकारी हेमंत कुमार चौधरी ने मुहम्मदाबादगोहना बस स्टेशन के निकट बनाए गए रैन बसेरे का

सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष की उल्टी-दस्त के बाद मौत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष राजा आनंद ज्योति सिंह (34) की शनिवार की सुबह खजुरी स्थित एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। शुक्रवार की रात बाहर से खाना खाकर घर पहुंचे युवा अधिवक्ता को उल्टी-दस्त की दिक्कत के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिवक्ता की आंख, नाखून और शरीर का अन्य हिस्सा नीला पड़ा देख कर उनके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जांच के लिए बिसरा सुरक्षित रखा गया है। चौबेपुर थाना क्षेत्र के बर्थरा कलां निवासी उमेश प्रताप सिंह के दो पुत्रों में छोटे राजा आनंद ज्योति सिंह अपने पेशे के साथ ही सामाजिक सरोकारों से जुड़े कामों में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते थे। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को कचहरी से घर आने के बाद शाम के समय वह अपनी कार से वाराणसी गए। वरुणा पार क्षेत्र में वह दोस्तों के साथ बिरयानी वगैरह खाए और कॉफी पिए। उसके बाद वह भक्ति नगर में अपनी रिश्तेदारी में रिंग सेरेमनी के कार्यक्रम में गए। वहां से घर आए तो उन्हें उल्टी-दस्त शुरू हुआ। परिजन उन्हें चौबेपुर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। हालत में सुधार न होने पर उन्हें भोजूबीर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से खजुरी स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर शिवपुर स्थित पोस्टमार्टम हाउस पर सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं के साथ ही चंदौली के सपा सांसद वीरेंद्र सिंह पहुंचे। उधर, इस संबंध में एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जांच के लिए बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

रूट डायवर्ट होने से परेशान यात्री गोरखपुर

बस्ती। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा-बरुआ चक रेलवे स्टेशनों के बीच चल रहे इंजीनियरिंग कार्य के चलते ब्लॉक होने के कारण अधिकांश एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट डायवर्ट हो गया है। इसके चलते बस्ती रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को अब ट्रेन पकड़ने के लिए गोरखपुर व गोंडा रेलवे स्टेशन जाना पड़ रहा है। जानकारी न होने के अभाव में यात्रियों की ट्रेनें छूट जा रही है। रेलवे बोर्ड की ओर से शुक्रवार को बस्ती के रास्ते जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों को गोंडा बढ़नी के रास्ते डाइवर्ट किया गया है। इसके चलते यात्रियों को अब ट्रेन पकड़ने के लिए अधिक दूरी तय कर गोंडा व गोरखपुर जाना पड़ रहा है। ठंड मौसम के चलते यात्रियों को मुश्किलों को सामना करना पड़ रहा है।

स्कूल में अचानक चक्कर खाकर गिरे सात छात्र

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली जिले के नवाबगंज में मिड डे मील खाने के एक घंटे के बाद स्कूल में पढ़ने वाले सात बच्चे अचानक एक-एक कर चक्कर खाकर जमीन पर गिर गए। इसे देख स्कूली स्टाफ और बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। मामले की जानकारी मिलते ही अभिभावक स्कूल की तरफ दौड़े। बच्चों की हालत देख सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां कुछ देर बाद ही बच्चों को घर भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112, हल्का लेखपाल, स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। हालांकि शिक्षा विभाग से कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। आप को बता दें नवाबगंज विकासखंड के पूर्व माध्यमिक स्कूल, ईधजागीर गांव में 117 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। शनिवार को एक बजे मिड डे मील में आलू-टमाटर की सब्जी व चावल खाने के एक घंटे के बाद बच्चे परिसर में चक्कर खाकर गिरने लगे। बच्चों ने बताया कि उन्हें गले में जकड़न की समस्या थी। उसके बाद पैर-हाथ और पेट में दर्द उठने लगा। यह देख स्टाफ और बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। अभिभावकों ने बच्चों को निजी अस्पताल और सीएचसी में भर्ती कराया, जहां एक घंटे के बाद बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही सीएचसी से स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ विजय कुमार, फार्मासिस्ट सुभाष, हल्का लेखपाल योगेश कुमार, डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची गई, तब तक बच्चे अस्पताल के लिए निकल गए थे।

ग्रामीणों के बीच भूत-प्रेत के साए की भी चर्चा रही। ग्राम प्रधान प्रेमशंकर गंगवार ने बताया कि रसोइया ने खाने में आलू-मटर और चावल बनाया था।

बच्चों के खाने से पहले स्टाफ ने चखा है। यदि भोजन से दिक्कत होती तो सभी बच्चों को होती। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित गंगवार ने बताया कि सीएचसी पर दो बच्चों को लाया गया था। बच्चे पेट और हाथ-पैरों में दर्द बता रहे थे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बच्चों की हालत देखकर लग रहा था कि वह डरे और सहमे हुए हैं। स्वास्थ्य टीम मौके पर मौजूद रही।

श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में 2 दिसम्बर को होगा अतिपिछड़ा समाज का जुटान

पटना (उत्तरशक्ति)। शोषित वंचित अति पिछड़ा वर्ग एकीकरण महाअभियान द्वारा 2 दिसंबर को पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में चिंतन शिविर के विशाल आयोजन को लेकर रविवार को प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए गणतांत्रिक समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महाअभियान के संयोजक मुकुल आनंद ने कहा कि बिहार में अतिपिछड़ों की आबादी 40 प्रतिशत है। आज जिस प्रकार से पूरे बिहार में अतिपिछड़ा समाज पर अत्याचार हो रहा है, मर्डर हो रहा है, लूट हो रहा है, बलात्कार हो रहा है जिसके 80 प्रतिशत घटना में कोई उद्भेदन नहीं हो रहा है और उनको न्याय नहीं मिल पा रहा है। आज राजनितिक रूप से, सामाजिक रूप से, आर्थिक रूप से ये समाज अंतिम पायदान पर है। इसीलिए सिर्फ उन्हें अब एकजुट होने की जरुरत है। इसलिए पूरे बिहार के अतिपिछड़ा भाइयों से आग्रह है की हम एकजुट हो एकजुट होकर 2 दिसंबर को गाँधी मैदान स्थित कृष्ण मेमोरियल हॉल में एकजुट हों। वहीं महाअभियान के मुख्य संयोजक एवं भारतीय विश्वकर्मा महसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शीलेन्द्र प्रजापति ने कहा कि दो दिसम्बर 2024 को पूरे बिहार से सभी अतिपिछड़ा समाज के लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस महाअभियान में हमलोग पूरे बिहार के अतिपिछड़ा समाज के लोगों को बुला कर इस सरकार को, राजनितिक पार्टियों को ये सन्देश देना चाहते हैं की अब अतिपिछड़ा पर जो अत्याचार हो रहा था, जो राजनितिक रूप से दूरी बना कर रखा गया था, उसको अब हमलोग बर्दास्त नही करेंगे और हमलोग राजनीती में हिस्सेदारी चाहते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव के लिए गठबंधन से किया इनकार

दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। केजरीवाल ने रविवार को कहा कि पार्टी दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कोई गठबंधन नहीं करेगी, जिससे विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक को झटका लगा है। केजरीवाल की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रीय राजधानी में चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गर्म हो रहा है, जो अगले साल की शुरूआत में होने की उम्मीद है। दिल्ली विधानसभा चुनाव 70 सदस्यीय विधानसभा के भाग्य का फैसला करेंगे, जहां सत्तारूढ़ आप के पास वर्तमान में 62 सीटें हैं। केजरीवाल ने एक संवाददाता

सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ह्यह्यआप दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कोई गठबंधन नहीं करेगी। इससे पहले कांग्रेस दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। ऐसे में अब आप का अकेले चुनाव लड़ना की घोषणा के बाद क्ठउक्रअ गठबंधन में दरार पड़ती नजर आ रही है। रैली के दौरान उन पर फेंके गए तरल पदार्थ पर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा, ₹मुझ पर फेंका गया तरल पदार्थ हानिरहित था, लेकिन यह खतरनाक हो सकता था। पिछले 35 दिनों में मुझ पर यह तीसरा हमला है।₹ केजरीवाल ने केंद्र से पूछा- क्या मुझ पर हमले और मेरे विधायक की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के व्यापारी, महिलाएं सुरक्षित महसूस करेंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर यह संदेश देने का भी आरोप लगाया कि अपराधियों के बजाय शिकायतकताओं को गिरफ्तार किया जाएगा। केजरीवाल ने आप विधायक नरेश बाल्यान की गिरफ्तारी की भी आलोचना की, जिन्होंने पहले गैंगस्टरों द्वारा जबरन वसूली की शिकायत दर्ज कराई थी। आप प्रमुख ने आरोप लगाया, ₹अपराधियों को गिरफ्तार करने के बजाय, वे हमारे विधायकों को निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने दिल्ली के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बताते चलें कि शनिवार को दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर में केजरीवाल की पदयात्रा के दौरान एक व्यक्ति ने उन पर कुछ तरल पदार्थ फेंक दिया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर असर पड़ा। भाजपा पर निशाना साधते हुए आप नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा बेईमानी का सहारा ले रही है, क्योंकि उसे आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में लगातार तीसरी हार का डर है।

ड्रोन से निगरानी, सात दिन में उतरवाए गए 100 लाउडस्पीकर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। संभल हिंसा के मद्देनजर मऊ जिले में ड्रोन कैमरे से निगरानी कराई जा रही है। इसके तहत एहतियातन सात दिन में सभी थानों में 100 से अधिक लाउडस्पीकर उतरवाए गए। एसपी इलामारन जी ने बताया कि जिले में 24 नवंबर से विशेष अभियान के तहत ड्रोन से सर्वे किया जा रहा है। इसके तहत अब तक शहर कोतवाली क्षेत्र में 31, दक्षिण टोला में 30, सरायलखांसी में 7, घोसी में 34, दोहरीघाट में 2, कोपागंज में 6, मोहम्मदाबाद गोहाना में 45, चिरायाकोट में 12, रानीपुर थाने में 13, मधुबन थाने में 12, हलधरपुर थाने में 12, रामपुर थाने में 6 धार्मिक स्थानों पर लाउड स्पीकर का प्रयोग करते मिले हैं। इसमें मानक के विपरीत पाए गए लाउड स्पीकर की संख्या 165 हैं।इसमें सबसे ज्यादा मुहम्मदाबाद गोहाना में 43, घोसी में 33 हैं। जबकि शहर कोतवाली और हलधरपुर थाना में यह संख्या शून्य हैं। अभियान के दौरान 65 लाउड स्पीकर की ध्वनि मानक के अनुसार कराई गई हैं। वहीं 100 लाउड स्कीकर या ध्वनि यंत्रों को उतराया गया हैं। इसमें सबसे ज्यादा मुहम्मदाबाद गोहाना में 28 तो घोसी में 15 और दक्षिण टोला में 17 लाउडस्पीकर की संख्या है। इंदारा के अदरी नगर पंचायत में थानाध्यक्ष नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शनिवार को ड्रोन कैमरे से निगरानी की। थानाध्यक्ष ने कहा कि संभल में हुई घटना को देखते हुए मनबढ़ों पर निगरानी की जा रही है। कुछ मस्जिदों पर लाउडस्पीकर भी दिखे।